PD-307-CV-19

M.A. 3rd Semester

Examination, Dec.-2020

HINDI

ADHUNIK KAVYA

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 80**

[Minimum Pass Marks : 29

नोट : दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड–अ

1x10=10

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–
   (क) कामायनी में कुल कितने सर्ग हैं?
   (ख) खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौन सा है और किसनें लिखा है?
   (ग) 'कुकुरमुत्ता' कविता में कुकुरमुत्ता किस वर्ग का प्रतीक है?
   (घ) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' की दो कृतियों के नाम लिखिए।
   (ङ) 'यशोधरा' और 'जयद्रथवध' के रचनाकार कौन हैं?
   (च) महादेवी वर्मा को किस काव्य संग्रह के लिए ज्ञान पीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया?
   (छ) हरिवंशराय बच्चन की दो सुप्रसिद्ध कृतियों का नाम लिखिए।
   (ज) 'जूही की कली' किस कवि की रचना है?
   (झ) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित दो उपन्यासों के नाम लिखिए।
   (ञ) आधुनिक हिन्दी काव्यधारा में मुक्त छंद का प्रणेता किसे कहा जाता है?
   (ट) 'राम की शक्तिपूजा' के प्रतिपाद्य को एक पंक्ति में लिखिए।
   (ठ) त्रिलोचन किस काव्य धारा के कवि हैं ?

2. निम्ननिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिएः– **2x5=10**
   (क) 'सरोज स्मृति' और निराला
   (ख) गीतिकाव्य की विशेषताओं के संदर्भ में महादेवी की कविताएँ।
   (ग) मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय चेतना।
   (घ) श्रद्धा का चरित्र चित्रण।
   (ङ) 'कुकुरमुत्ता' में निहित व्यंग्य का स्वरूप।
   (च) कामयानी की रचना का उद्देश्य।
   (छ) त्रिलोचन और उनकी सॉनेट कला।

खण्ड–ब

3. **(क)** सप्रसंग व्याख्या कीजिएः– **7**

   निरख सखी ये खंजन आये, फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये।
   फैला उनके तन का आतप, मन ने सर सरसाये।
   घूमे वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ आये।
   करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुस्काये, फूल उठे हैं कमल,अधर से ये बन्धूक सुहाये।
   स्वागत, स्वागत, शरद, भाग्य से मैंने दर्शन पाये, नम ने मोती वारे, लो, अश्रु अर्घ्य भर लाये।

   अथवा

   उस रूदन्ती विरहिणी के रूदनरस के लेप से, और पाकर ताप उसके प्रिय–विरह विक्षेप से,
   वर्ण–वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के, क्यों न बनते कविजनों के ताम्र पत्र सुवर्ण के?

   (ख) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिये। **8**

   अथवा

   ''नवम् सर्ग साकेत महाकाव्य की आत्मा है'' इस कथन के संदर्भ में नवम् सर्ग की विशेषताएँ लिखिए।

4. **(क)** सप्रसंग व्याख्या कीजिएः– **7**

   प्रकृति रही दुर्जेय, पराजित
   हम सब थे भूले मद में,
   भोले थे, हाँ तिरते केवल

सब विलासिता के नद में।
वे सब डूबे, डूबा उनका
विभव, बना गया पारावार,
उमड़ रहा था देव–सुखों पर
दुःख जलधि का नाद अपार।

अथवा

देवों की विजय, दानवों की
हारों का होता युद्ध रहा;
संघर्ष सदा उर–अन्तर में
जीवित रह नित्य विरूद्ध रहा।
आँसू से भीगे अंचल पर
मन का सब कुछ रखना होगा;
तुमको अपनी स्मित रेखा से
यह संधि पत्र लिखना होगा।

(ख) जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं पर एक नातिदीर्घ निबंध लिखिए। 8

अथवा

कामायनी की दार्शनिक पृष्टभूमि पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

5. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:– 7

''धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध।
जानकी! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका।''
वह एक और मन रहा राम का जो न थका,
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त कर जय,
बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युत–गति हतचेतन
राम में जगी स्मृति, हुए सजग पा भाव प्रमन।

अथवा

मुक्त भाग्यहीन की तू सम्बल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुःख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के से शतदल!
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण!

(ख) निराला के काव्य विकास पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए। 8

अथवा

निराला के काव्य की विद्रोही तथा व्यंग्यात्मक चेतना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

6. (क) खड़ी बोली के कवि के रूप में अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध के काव्य की विशेषताएँ लिखिए। 7

अथवा

त्रिलोचन शास्त्री के व्यक्तित्व और कृतिव पर प्रकाश डालिए।

(ख) हालावाद के जनक के रूप में हरिवंशराय बच्चन की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए। 8

अथवा

महादेवी वर्मा के काव्य में छायावादी प्रवृत्तियों पर अपने विचार प्रकट कीजिए।